

उद्धत वि. (तत्.) 1. किसी का अदब-लिहाज न करने वाला; उजड़, अखड़ 2. उत्तेजित 3. प्रगल्भ 4. कठोर।

उद्धत अवज्ञा स्त्री. (तत्.) विधि. किसी आदेश, परामर्श आदि की अपमानजनक तरीके से उपेक्षा और अवमानना। defiance

उद्धत-दंडक पुं. (तत्.) एक मात्रिक दंडक छंद।

उद्धत राष्ट्रवादी वि. (तत्.) राज. वह राष्ट्रवादी व्यक्ति जो स्वभाव से उद्धत या उग्र हो और जो 'शठे शाठ्यम्' की नीति का समर्थक हो।

उद्धतायुध वि. (तत्.) 1. वह जिसने हथियार उठा रखा हो 2. युद्ध के लिए सज्ज (वीर)।

उद्धरण वि. (तत्.) 1. साहि. अवतरण, किसी व्यक्ति या लेख का दूसरे स्थान पर ज्यों का त्यों रखा जाना 2. पढ़ा हुआ दुहराना 3. कुछ अंश उतारना 4. निकालना 5. उद्धार करना, मुक्ति। quotation

उद्धरण चिह्न वि. (तत्.) साहि. किसी वक्ता या लेखक के कथन या किसी रचना के शीर्षक या नाम को ज्यों-का-त्यों प्रस्तुत करने के लिए अंश के प्रारंभ और अंत में लगाने वाले विशेष उपरिलेख चिह्न '.....' 'या'....."। quotation mark

उद्धरणिका स्त्री. (तत्.) 1. उद्धरणों का संग्रह या संकलन 2. छोटा उद्धरण।

उद्धव पुं. (तत्.) कृष्ण का चाचा तथा सखा।

उद्धर्ष पुं. (तत्.) अत्यंत हर्ष का भाव।

उद्धार वि. (तत्.) 1. छुटकारा, मुक्ति (जन्म-मरण के बंधन से) 2. ऊपर-उठाना 3. बेकार या व्यर्थ पड़ी वस्तु को सुधार कर फिर से काम में लाने योग्य बनाना 4. ऋण या देनदारी से छुटकारा।

उद्धारक वि. (तत्.) उद्धार करने वाला।

उद्धारण पुं. (तत्.) 1. उद्धार करने की क्रिया या भाव 2. उबारना, ऊपर उठाना 3. भू. रेतीले, बंजर या दलदली भूभाग को खेती या अन्य

उद्योग के लायक बनाना reclamation 4. वाणि. जहाज या उसमें लदे माल को समुद्री आपदा से बचाना, किसी संपत्ति को आग, बाढ़, तूफान आदि से बचाना।

उद्धृत वि. (तत्.) 1. किसी रचना, लेख से ज्यों-का-त्यों लिया हुआ अवतरण 2. पृथक् किया हुआ।

उद्ध्वंस पुं. (तत्.) संपूर्ण नाश, समूल नाश।

उद्ध्वस्त वि. (तत्.) संपूर्णतः नष्ट, विध्वस्त।

उद्बाहु वि. (तत्.) जो बाँहें ऊपर उठाए हुए हो।

उद्बुद्ध वि. (तत्.) 1. जगा या जगाया हुआ, चैतन्य 2. खिला हुआ, विकसित 3. याद आया या दिलाया हुआ 4. जिसे ज्ञान प्राप्त हो प्रयो. अब रानी मुझे नवीन प्रेरणा से उद्बुद्ध करने का काम करेंगी -चारुचंद्रलेख-ह.प्र. द्विवेदी।

उद्बोध पुं. (तत्.) 1. जगाना 2. कर्तव्य आदि का स्मरण करना या होना।

उद्बोधक वि. (तत्.) 1. जगाने, उठाने या याद दिलाने वाला 2. ज्ञान देने वाला 3. उद्दीपक।

उद्भट वि. (तत्.) 1. श्रेष्ठ, असाधारण 2. जबर्दस्त, प्रबल, विकट, बहुत बड़ा प्रयो. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी संस्कृत के भी उद्भट विद्वान थे।

उद्भव पुं. (तत्.) 1. जन्म, उत्पत्ति 2. उद्गम, मूल 3. किसी वंश या कुल से उत्पन्न होने का भाव 4. वृद्धि, बढ़ती।

उद्भवन पुं. (तत्.) 1. दे. उद्भव 2. मनो. चिकित्सा के दौरान मनोरोगी में विलंब से होने वाला विशिष्ट परिवर्तन प्राणि. सूक्ष्म जीवों तथा प्राणियों की विकासावधि में होने वाले नवीन परिवर्तन। उद्भवन

उद्भवन-अवधि स्त्री. (तत्.) कृषि. परपोषी कीट या पौधों आदि पर रोगाणु के प्रयोग करते समय वेधन और उद्भाव के लक्षणों के प्रकटीकरण के बीच का काल।